CEDSI
CENTRE OF EXCELLENCE FOR DAIRY SKILLS IN INDIA

+91 7428706078
info@cedsi.in

CEDSI TIMES

Your Skilling Partner...

चारा विकास पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री श्री परषोत्तम रूपाला ने आज विज्ञान भवन में चारा विकास पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन किया। सभा को संबोधित करते हुए, उन्होंने देश के पशुधन के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चारे को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर जोर दिया।

मंत्री ने देश भर में भंडारण और परिवहन सुविधाओं से सुसज्जित "चारा बैंक" स्थापित करने की योजना की घोषणा की। उन्होंने विभिन्न पशु प्रजनन योजनाओं के तहत अधिक पशुधन प्रजातियों को शामिल करने के कैबिनेट के फैसले पर भी प्रकाश डाला।

सचिव श्रीमती. अलका उपाध्याय ने चारा उत्पादन बढ़ाने और पशु पोषण में सुधार के महत्व पर जोर दिया। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित इस संगोष्ठी का उद्देश्य चारा विकास में चुनौतियों का समाधान करना है, जिसमें देश के पशुधन के लिए हस्तक्षेप को आकार देने पर चर्चा होने की उम्मीद है।

हैदराबाद 50वें डेयरी उद्योग सम्मेलन की मेजबानी करेगा

इंडियन डेयरी एसोसिएशन, साउथ ज़ोन, 4 से 6 मार्च तक हैदराबाद के हाईटेक्स प्रदर्शनी केंद्र में अपने 50वें डेयरी उद्योग सम्मेलन की मेजबानी करने के लिए तैयार है। एसोसिएशन के 75वें वर्ष के अवसर पर, इस कार्यक्रम में विभिन्न डेयरियों के लगभग 100 प्रमुख अधिकारी, सरकारी सचिव और प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति शामिल होंगे।

5 मार्च को एक महत्वपूर्ण सम्मेलन में सभी दक्षिणी राज्यों के डेयरी और पालन मंत्री गहन चर्चा के लिए एक साथ आएंगे।

सम्मेलन का उद्देश्य उपलब्धियों का जश्न मनाना, उद्योग के रुझानों पर चर्चा करना और हितधारकों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना है। चूँकि हैदराबाद केंद्र में है, यह आयोजन भारत के डेयरी क्षेत्र के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होने का वादा करता है।

केरल में मिल्क कॉप अतिरिक्त ₹10 प्रति लीटर के साथ डेयरी किसानों की आय को बढ़ावा देगा

यह फरवरी में ₹7 की वृद्धि के बाद आया है, जिसमें ₹5 किसानों को और ₹2 प्राथमिक डेयरी सोसायटी को दिए गए हैं। मार्च के लिए, सहकारी समिति ने किसानों को अतिरिक्त ₹6 और डेयरी समितियों को ₹4 आवंटित करने की योजना बनाई है।

डेयरी किसानों को समर्थन देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम में, एर्नाकुलम क्षेत्रीय सहकारी दूध उत्पादक संघ ने पूरे मार्च में डेयरी समितियों को प्रति लीटर दूध के लिए ₹10 का अतिरिक्त भुगतान करने की घोषणा की है।

इस पहल से एर्नाकुलम, त्रिशूर, कोट्टायम और इडुक्की जिलों में 1,000 से अधिक दुग्ध समितियों को लाभ होगा। सहकारी समिति को बढ़े हुए भुगतान के कारण ₹16 करोड़ के खर्च का अनुमान है, जिससे दैनिक दूध की खरीद तीन लाख लीटर तक पहुंच जाएगी।

तमिलनाडु ने मथिगिरी में मवेशी संगरोध सुविधा के उद्घाटन के साथ पशुपालन बुनियादी ढांचे को बढ़ाया

मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से मथिगिरी में मवेशी प्रजनन और गर्भाधान के लिए एक अत्याधुनिक संगरोध सुविधा का उद्घाटन किया, जो तमिलनाडु की पशुपालन पहल में एक महत्वपूर्ण वृद्धि का प्रतिनिधित्व करता है। ₹9.36 लाख की लागत से निर्मित इस सुविधा का उद्देश्य मवेशियों के स्वास्थ्य और उत्पादकता को सुनिश्चित करना है, जिससे राज्य भर के किसानों को लाभ होगा।

पशुपालन को मजबूत करने की एक व्यापक योजना का हिस्सा, करूर, अरियालुर, थेनी और चेन्नई जैसे जिलों में समान सुविधाएं स्थापित की गई हैं। यह पहल सतत कृषि और ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने के लिए राज्य की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

मथिगिरी में संगरोध सुविधा में पशु प्रजनन प्रथाओं को बढ़ाने के लिए आधुनिक सुविधाएं शामिल हैं। कठोर संगरोध प्रक्रियाओं को लागू करके, सुविधा का उद्देश्य जानवरों और मानव स्वास्थ्य दोनों की सुरक्षा करते हुए बीमारियों के प्रसार को रोकना है। इस रणनीतिक निवेश के परिणामस्वरूप मवेशियों की आबादी स्वस्थ होगी, दूध उत्पादन बढ़ेगा और उच्च गुणवत्ता वाले पशुधन प्राप्त होने की उम्मीद है।

उद्घाटन तमिलनाडु के कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने, किसानों के लिए आर्थिक सुरक्षा, आबादी के लिए खाद्य सुरक्षा और एक लचीला कृषि उद्योग सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन का सक्रिय दृष्टिकोण चुनौतियों पर काबू पाने और कृषि के लिए समृद्ध भविष्य को बढ़ावा देने के लिए राज्य के समर्पण को रेखांकित करता है।

ग्रामीण आय को बढ़ावा देने के लिए गुजरात डेयरी: जैव-उर्वरक के लिए मवेशियों का गोबर 1 रुपये प्रति किलोग्राम पर खरीदा जाएगा

स्थायी कृषि और ग्रामीण आय सृजन की दिशा में एक अग्रणी कदम में, गुजरात के सहकारिता मंत्री, जगदीश पांचाल ने राज्य विधानसभा में घोषणा की कि डेयरी संगठन और दूध उत्पादक संघ जल्द ही पशुपालकों से गोबर खरीदेंगे। इस पहल का उद्देश्य जैव-उर्वरक और बायो-गैस का उत्पादन करना है, जो पशुपालकों के लिए आय का एक अतिरिक्त स्रोत प्रदान करता है।

पहले से ही सक्रिय, उत्तरी गुजरात में बनास डेयरी पशुपालकों से मवेशियों का गोबर खरीदती है और इसका उपयोग बायो-गैस उत्पन्न करने के लिए करती है, बायो-गैस पंप संचालित करती है जो सीएनजी से चलने वाले वाहनों को गैस बेचती है। सुजुकी मोटर्स ने ऐसे चार पंप स्थापित करने के लिए बनास के साथ हाथ मिलाया है। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) इसी तरह की पहल में सक्रिय रूप से शामिल है। जैव-गैस और जैव-उर्वरकों के उपयोग को बढ़ाने पर केंद्र सरकार का हालिया जोर इन प्रयासों के अनुरूप है, जो टिकाऊ कृषि प्रथाओं के लिए समग्र दृष्टिकोण को दर्शाता है।

जैसा कि महाराष्ट्र अपने किसानों के कल्याण को प्राथमिकता दे रहा है, यह सब्सिडी पहल एक महत्वपूर्ण सहायता तंत्र के रूप में कार्य करती है, जो राज्य के डेयरी उद्योग में महत्वपूर्ण योगदान देने वालों को आर्थिक राहत प्रदान करती है।

इस योजना के तहत, डेयरी संगठन घर-घर जाकर मवेशियों का गोबर इकट्ठा करेंगे और एक रुपये का भुगतान करेंगे। प्रत्येक किलोग्राम गोबर के लिए 1 रु. यह अभिनव दृष्टिकोण न केवल डेयरी किसानों को दूध बेचने में सहायता करता है बल्कि गाय का गोबर बेचकर अतिरिक्त आय अर्जित करने का अवसर भी प्रदान करता है।

तमिलनाडु के डेयरी मंत्री ने डेयरी क्षेत्र के राजस्व को बढ़ावा देने के लिए महत्वाकांक्षी ग्रीष्मकालीन योजनाओं का अनावरण किया

तमिलनाडु के डेयरी मंत्री मनो थंगराज ने आगामी गर्मी के मौसम में राज्य के डेयरी क्षेत्र को मजबूत करने के लिए महत्वाकांक्षी पहल की एक श्रृंखला की घोषणा की है, जिसमें डेयरी उत्पाद की बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि का लक्ष्य रखा गया है। 48 करोड़. चेन्नई के नंदनम में तमिलनाडु सहकारी दूध उत्पादक संघ (एएवी) के मुख्य कार्यालय में आयोजित एक परामर्श बैठक में बोलते हुए, मंत्री थंगराज ने प्रमुख रणनीतियों की रूपरेखा तैयार की।

एक महत्वपूर्ण कदम में रुपये का सफल कार्यान्वयन शामिल है। दुग्ध उत्पादकों के लिए 3 प्रोत्साहन योजना, जिसके परिणामस्वरूप लगभग रु. 36.27 करोड़. 10,785 प्रारंभिक दुग्ध सहकारी समितियों को पुनर्जीवित करने के प्रयास भी प्रगति पर हैं, जिनमें से 7,338 समितियों का ऑडिट पहले ही हो चुका है।

किसानों को समर्थन देने के लिए, मंत्री थंगराज ने कुल रु. के ऋण की घोषणा की। सहकारी समितियों के माध्यम से 15,752 किसानों के लिए 102 करोड़। यह वित्तीय सहायता नई डेयरी गायों के अधिग्रहण और उच्च-प्रोटीन गाय के चारे की शुरूआत की सुविधा प्रदान करती है, जिसमें रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाती है। 1 प्रति किलोग्राम गर्मी के मौसम को देखते हुए, डेयरी उत्पादों की बिक्री को बढ़ावा देने की योजना पर काम चल रहा है, जिसका लक्ष्य रुपये निर्धारित किया गया है। 48 करोड़. मंत्री थंगराज ने राज्य की शीर्ष सहकारी संस्था एविन पर भरोसा जताया और दूध खरीद में संभावित 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी की उम्मीद जताई।

भविष्य को देखते हुए, मंत्री ने पीने के पानी की बिक्री में संभावित उद्यमों का संकेत दिया और डेयरी पार्लरों के आधुनिकीकरण के लिए चल रहे प्रयासों पर जोर दिया। उन्होंने पूरे तमिलनाडु में दूध उत्पादकों और सहकारी समितियों की समृद्धि सुनिश्चित करने, डेयरी क्षेत्र को पुनर्जीवित करने की सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

भारत का लक्ष्य वैश्विक दूध उत्पादन पर हावी होना है, 2030 तक 30% का लक्ष्य

एक महत्वपूर्ण कदम में, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक मीनेश शाह ने 2030 तक वैश्विक उत्पादन में 30% योगदान देने के लिए दुनिया के सबसे बड़े दूध उत्पादक के रूप में अपनी वर्तमान स्थिति को बढ़ाने के लिए भारत की महत्वाकांक्षी योजना की घोषणा की। शाह ने इस पर प्रकाश डाला। राष्ट्रीय गोकुल मिशन कार्यक्रम के माध्यम से पशु उत्पादकता बढ़ाने के लिए चल रहे प्रयास और प्रजनन, पोषण और स्वास्थ्य में सुधार के लिए सरकार के साथ सहयोग।

पर्यावरणीय चिंताओं को संबोधित करते हुए, शाह ने 2050 या 2070 तक नेट-शून्य डेयरी बनने के लिए एनडीडीबी की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। पहल में मीथेन उत्सर्जन को कम करने के लिए राशन संतुलन कार्यक्रम, बायोगैस के लिए मीथेन युक्त गोबर का उपयोग करना और विभिन्न डेयरी संचालन में सौर ऊर्जा को शामिल करना शामिल है। एनडीडीबी डेयरी संयंत्रों में सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए अनुदान और सब्सिडी वाले ऋण सुरक्षित करने के लिए जर्मनी के केएफडब्ल्यूओआर क्रेडिटनस्टाल्ट फर विडेराउफबाउ के साथ भी सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ है।

इसके अलावा, शाह ने असम सरकार के साथ एक संयुक्त उद्यम का खुलासा किया, जिसमें अगले सात वर्षों में राज्य के लिए एक व्यापक डेयरी विकास योजना पर जोर दिया गया, जिसमें 10 लाख लीटर दूध की खरीद और प्रसंस्करण का लक्ष्य रखा गया है। विस्तार में बुनियादी ढांचे का विकास और किसान कवरेज में वृद्धि शामिल है, जिसमें एक नए डेयरी संयंत्र का उद्घाटन असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा द्वारा किया जाएगा।

हम कौन हैं?

सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया (सीईडीएसआई) "**सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर एग्रीकल्चर स्किल्स इन इंडिया (सीईएएसआई)**" के तहत काम कर रहा है, यह एक स्वायत्त संगठन है जो "**एग्रीकल्चर स्किल कौंसिल ऑफ़ इंडिया (ASCI)**" के तत्वावधान में काम कर रहा है। कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के संगठित और असंगठित क्षेत्रों में लगे किसानों, वेतनभोगी श्रमिकों, स्व-रोज़गार पेशेवरों, विस्तार श्रमिकों आदि के कौशल और क्षमता निर्माण के लिए **कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई)** के तहत काम करना।

सीईएएसआई कृषि के विभिन्न उप-क्षेत्रों में उत्कृष्टता केंद्रों का एक शीर्ष संगठन है।

- सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया (सीईडीएसआई)
- सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर हॉर्टिकल्चर स्किल्स इन इंडिया (सीईएचएसआई)
- सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर फार्म मेकेनिज़शन स्किल्स इन इंडिया (सीईएफएमआई)

सीईडीएसआई सदस्यता उद्योग के नेताओं, नीति निर्माताओं, विकास चिकित्सकों, डेयरी वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, छात्रों और किसानों को डेयरी उद्योग के लिए आसन्न महत्व के मुद्दों पर बहस और चर्चा करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करेगी।

CEDSI
Centre of Excellence for Dairy Skills in India

Centre of Excellence for Dairy Skills in India

Join Our Membership Drive and Get Benefits of

- Platform to interact with other members in the sector
- Networking opportunities with corporate leaders and government authorities
- Special costs of training in Skill India Certified Programmes
- Access to our Journal and Publications
- Expert advice in day-to-day operations and management of livestock /farm productions
- Free registration on the job portal and regular updates on job vacancies in the sector
- Recognize your organization with CEDSI Yearly Awards and Recognition
- Chance to reach across the board through advertising in our press releases, news and articles
- Consultative and advisory services to help members
- Consulting and advisory services to help members
- Periodic e-newsletter for the latest news, govt. announcement and schemes in dairy sectors
- Updates on training programs of CEDSI and access to the training calendar

Who Can Become a Member -

Corporates/ Cooperatives | NGO's/CSR Foundations | Dairy Farmers | Students | Professional

www.cedsi.in

@cedsi_india

Skill India
कौशल भारत - कुशल भारत

ASCI
Agriculture Skill Council of India

CEDSI
CENTRE OF EXCELLENCE FOR DAIRY SKILLS IN INDIA

CEDSI : रविविंग स्किल्स एंड जनरेटिंग लाइवलीहुड

किसानों/छात्रों/उद्यमियों के लिए कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- डेयरी किसान / उद्यमी
- डेयरी फार्म पर्यवेक्षक
- डेयरी कार्यकर्ता
- पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता
- कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन
- पशु चिकित्सा क्षेत्र सहायक
- पशु चिकित्सा नैदानिक सहायक
- बछड़ा पालन
- कृषि उपकरण तकनीशियन
- डेयरी फार्म अर्थशास्त्र और प्रबंधन
- उद्योग संरेखित प्रमाणन कार्यक्रम (बेरोजगार युवा और छात्र)

एफपीओ उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम

- उत्पाद प्रौद्योगिकी और प्रक्रियाओं पर एफपीओ सदस्य अभिविन्यास।
- एफपीओ मार्केट लिंकेज
- एफपीओ शासन
- एफपीओ लेखा

डेयरी कॉरपोरेट्स और सहकारी समितियों के लिए प्रमुख कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- चिलिंग प्लांट तकनीशियन
- बल्क मिल्क कूलर ऑपरेटर
- ग्राम स्तरीय दुग्ध संग्रह केन्द्र पर्यवेक्षक
- दूध परीक्षक
- ग्रीन हाउस गैसों का शमन
- दूध की गुणवत्ता आश्वासन
- मिल्क डिलीवरी बॉय
- दूध खरीद और इनपुट पर्यवेक्षक
- डेयरी उद्योग में अपशिष्ट प्रबंधन
- चारा और चारा प्रबंधन
- स्वच्छ दूध उत्पादन
- निर्णय समर्थन प्रणाली / डेटा विश्लेषिकी